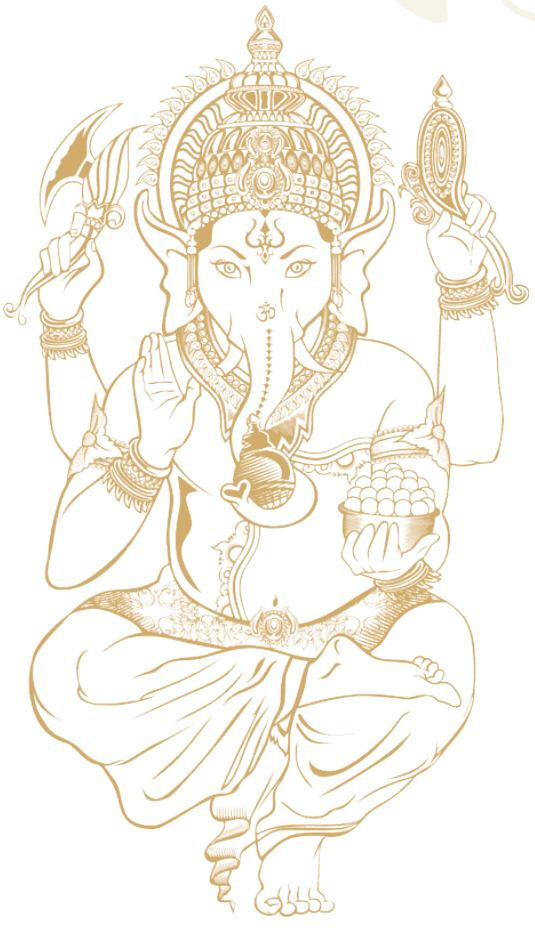

Virat ???

16 Jan 2014

02:10 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121771803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/01/2014**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:10:00 घंटे**
इष्ट	47:09:10 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:47:56 घंटे
वेलान्तर	-00:09:20 घंटे
साम्पातिक काल	09:28:48 घंटे
सूर्योदय	07:18:19 घंटे
सूर्यास्त	17:44:50 घंटे
दिनमान	10:26:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:34:04 मकर
लग्न के अंश	20:59:10 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वैधृति
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:59:10	305:48:48	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			मक	01:34:04	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	27:51:25	11:52:28	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कन्या	23:43:39	00:22:45	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध			मक	12:34:43	01:40:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:04:14	00:07:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		धनु	24:32:02	00:34:24	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			तुला	27:31:14	00:04:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	09:55:14	00:14:31	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	09:55:14	00:14:31	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	14:53:44	00:01:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
नेप			कुंभ	09:35:50	00:01:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:43:10	00:02:04	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	25:44:04	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:22

लग्न-चलित

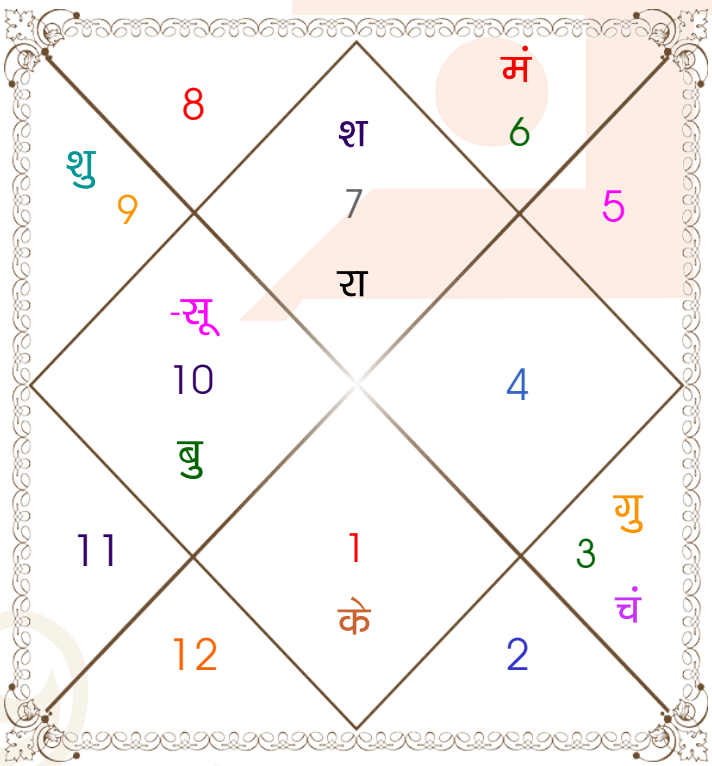

चन्द्र कुंडली

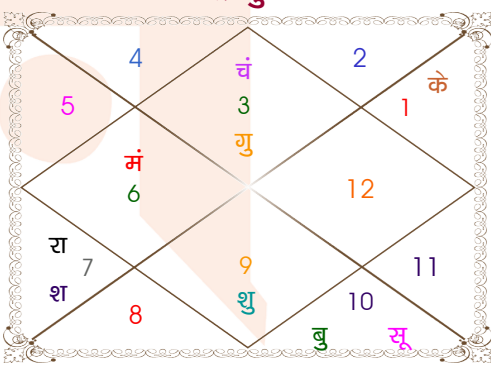

नवमांश कुंडली

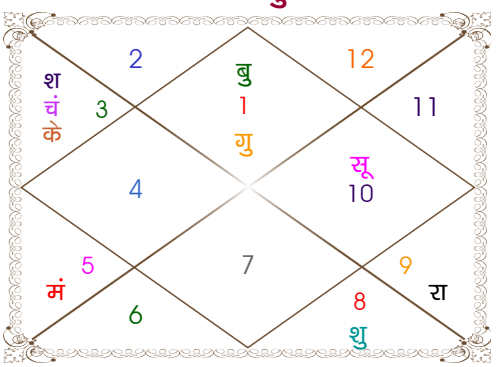

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 6 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/01/2014		12/08/2020		13/08/2039		12/08/2056		13/08/2063	
12/08/2020		13/08/2039		12/08/2056		13/08/2063		13/08/2083	
	00/00/0000	शनि	16/08/2023	बुध	08/01/2042	केतु	08/01/2057	शुक्र	12/12/2066
	00/00/0000	बुध	25/04/2026	केतु	05/01/2043	शुक्र	10/03/2058	सूर्य	12/12/2067
	00/00/0000	केतु	04/06/2027	शुक्र	05/11/2045	सूर्य	16/07/2058	चंद्र	12/08/2069
	16/01/2014	शुक्र	03/08/2030	सूर्य	12/09/2046	चंद्र	14/02/2059	मंगल	12/10/2070
शुक्र	23/02/2015	सूर्य	16/07/2031	चंद्र	11/02/2048	मंगल	13/07/2059	राहु	12/10/2073
सूर्य	12/12/2015	चंद्र	14/02/2033	मंगल	07/02/2049	राहु	31/07/2060	गुरु	12/06/2076
चंद्र	12/04/2017	मंगल	25/03/2034	राहु	28/08/2051	गुरु	07/07/2061	शनि	13/08/2079
मंगल	19/03/2018	राहु	29/01/2037	गुरु	03/12/2053	शनि	15/08/2062	बुध	13/06/2082
राहु	12/08/2020	गुरु	13/08/2039	शनि	12/08/2056	बुध	13/08/2063	केतु	13/08/2083

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/08/2083		12/08/2089		13/08/2099		13/08/2106		13/08/2124	
12/08/2089		13/08/2099		13/08/2106		13/08/2124		00/00/0000	
सूर्य	30/11/2083	चंद्र	13/06/2090	मंगल	09/01/2100	राहु	26/04/2109	गुरु	01/10/2126
चंद्र	31/05/2084	मंगल	12/01/2091	राहु	27/01/2101	गुरु	19/09/2111	शनि	13/04/2129
मंगल	06/10/2084	राहु	12/07/2092	गुरु	03/01/2102	शनि	26/07/2114	बुध	20/07/2131
राहु	30/08/2085	गुरु	11/11/2093	शनि	12/02/2103	बुध	12/02/2117	केतु	25/06/2132
गुरु	19/06/2086	शनि	13/06/2095	बुध	09/02/2104	केतु	02/03/2118	शुक्र	17/01/2134
शनि	01/06/2087	बुध	11/11/2096	केतु	07/07/2104	शुक्र	02/03/2121		00/00/0000
बुध	06/04/2088	केतु	12/06/2097	शुक्र	06/09/2105	सूर्य	25/01/2122		00/00/0000
केतु	12/08/2088	शुक्र	11/02/2099	सूर्य	12/01/2106	चंद्र	26/07/2123		00/00/0000
शुक्र	12/08/2089	सूर्य	13/08/2099	चंद्र	13/08/2106	मंगल	13/08/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 6 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।